सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) वर्ष 1994–95 के दौरान गुजरात सरकार को आबंटित की जाने वाली संभावित राशि के बारे में अभी से बता पाना संभव नहीं है।

(ख) केन्द्रीय सड़क निधि के अंतर्गत निधियां, राज्य-वार आबंटित की जाती हैं न कि योजना-वार

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात सरकार द्वारा परियोजनीय मांग और सामान्य रख-रखाव तथा मरम्मत शर्तों के लिए जारी की गई निधियां, वर्ष-वार नीचे दर्शाई गई हैं :—

(लाख रु.)

वर्ष	राज्य द्वारा मांगी गई निधियां	जारी की गई निधियां
1991–92	1043.57	576.81
1992–93	1363.24	674.70
1993–94	1327.38	841.70

Construction of speed-breakers in busy roads

300 SHRIG. Y. KRISHNAN: Will ihe Minister of SURFACE TRANSPORT b_c pleased to state the concept or parameters, if any laid down by the Central Government for the construction of new speed-breakers in th_e busy roads in the capital or elsewhere, under the jurisdiction of the Ministry of Surface Transport?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY. OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER t : The Ministry of Surface Trans----port is primarily responsible for roads declared a_s National Highway^ and all categories of roads other than National Highways ar_e the responsibility of State Governments. Therefore, construction of speed breakers on **the** busy roads in the Capital and other State roads is the responsibility oi State /Union Territory Governments. Government of India's policy has all along been not to construct speed breakers, remove the existing ones and provide alternative sa'ety measures like rumble-strips, flashing signals, etc., on National High ways, in the interest of road safety and smooth flow of traffic.

Development of Gopalpur Port

301. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal under its consideration to develop Gopalpur minor port in Orissa and also to upgrade it as an all weather major port;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) the steps taken to implement the above proposal; and

(d) the details of the funds estimated and earmarked therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) Government of India have no such proposal under consideration.

(b) to (d) Do not arise.

Passenger and freight services between paradeep and Haladia

302. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have » proposal to introduce the passenger and freight services on the waterways * between Haladia and Paradeep;

(b) if so, the date from which the passenger and freight services are proposed to be introduced there; and

(c) the steps taken by the National Waterways Authority on that direction?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISITRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Bir.

(b) and (c) Do not arise.

दिल्ली परिवहन निगम को हुआ घाटा

303. श्री वीरेन जे० शाह :

श्री राम जेठमलानी :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम को हुए वार्षिक घाटे के क्या कारण हैं,

(ख) वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान निगम को हुए घाटे की वर्षवार राशि कितनी-कितनी है,

(ग) क्या यह सच है कि घाटे को पूरा करने के लिए हाल ही के महीनों में बसों के यात्री भाड़े में वृद्धि की गई है,

(घ) यदि हां, तो भाड़े मे वृद्धि का प्रतिशत क्या है और इस वृद्धि के परिणाम-स्वरूप कितनी अतिरिक्त वार्षिक आमदनी होने की संभावना है और इस आमदनी से कितने प्रतिशत घाटा कम किया जा सकेगा,

(ङ) क्या सरकार ने घाटे के कारणों को दूर करके लाभ प्राप्त करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) दिल्ली परिवहन निगम के होने वाले घाटे के मुख्य कारण निम्नलिखित है :—

(i) अलाभकर किरायाढांचा,

(ii) श्रम और निवेश-सामग्री की बढती हुई लागत,

(iii) रियायती पासों के माध्यम से छात्रों और समाज के कमजोर वर्गों को दी गई रियायत,

(iv) दिल्ली परिवहन निगम को दिए गए ऋणों पर ब्याज का भारी बोझ

(v) नगर मार्गों पर लगभग 3000 रेड लाईन बसों का प्रचालन,

(vi) विशेष कारणों से, अनेक गैर-लाभकारी मार्गों पर उदाहरण के तौर पर युनीवर्सिटी और ग्रामीण क्षेत्रीय मार्गों, आदि पर प्रचालन ।

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम को हुए घाटे इस प्रकार हैं :—

(करोड़ रू०)

वित्त वर्ष	कार्यचालन घाटा	निवल घाटा
1991-92	82.73	203.81
1992-93	54.90	245.27
1993-94	83.60	281.84

(ग) जी हां।